Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 49–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 3, 2024 (AGRAHAYANA 12, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 25 नवम्बर, 2024

संख्या 12/250–बड़ा तालाब–2024/पुरा/4040-46.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250–बड़ा तालाब–2024/पुरा/2363–68, दिनांक 5 जुलाई, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैः–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
बड़ा तालाब, 19वीं शताब्दी पूर्व	बड़ा तालाब, 19वीं शताब्दी पूर्व	रेवाड़ी	रेवाड़ी	लाल डोरा (नगरपालिका समिति)	37 कनाल – 14 मरला	निजी स्वामित्व (मंदिर कुशल किशोर एवं अन्य)	रेवाड़ी शहर के मध्य में नेताजी सुभाष पार्क में स्थित, यह एक ऐतिहासिक और धार्मिक आकर्षण है। तालाब बारिश और भूमिगत पाइपों से नहर के पानी से भर जाता है। निकटवर्ती मंदिर और तालाब का निर्माण राव तेज सिंह (रेवाड़ी के शासक) द्वारा वर्ष 1810–1815 में करवाया गया था। यह पत्थर और लाखौरी ईंटों से निर्मित एक विशाल संरचना है। चारों कोनों में चार छोटी–छोटी छतरियां है। इस विशाल बावड़ी या तालाब की वास्तुकला विशेषताएं राजपूत मुगल घराने का मिश्रण है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 25th November, 2024

No. 12/250-Bada Talab-2024/pura/4040-46.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-Bada Talab-2024/pura/2363-68, dated the 05th July, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Bada Talab, 19th Century CE	Bada Talab, 19th Century CE	Rewari	Rewari	Lal Dora (Municipal Committee)	37 Kanal 14 Marla	Private ownership (Mandir Kaushal Kishor and etc.)	Located in Netaji Subhash Park in the heart of Rewari city, it is a historic and religious attraction. The pond gets replenished with rain and canal water from underground pipes. The adjacent temple and the pond were built by Rao Tej Singh (ruler of Rewari) in the year 1810-1815. It's a huge structure built of stone and lakhori bricks. There are four small chattris in the four corners. Architectural features of this huge baoli or talab are assimilation of Rajput-Mughal Gharana.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11440—C.S.—H.G.P., Pkl.